मुस्कराकर जियो

बुराई की आंधियों में
कदम टिकाकर जियो
कांटों के वन में
नज़रें बचाकर जियो
बर्फ के तूफां में
हौंसले जमाकर जियो
जीवन के हर सच को
गले लगाकर जियो
कठिनाइयों के भंवर में
हिम्मत दिखाकर जियो
जो जैसा जिस रूप में मिले
उसे वैसा अपनाकर जियो
मन की गहराई में
प्रेम के दीप जलाकर जियो
पलकों के साए में
मीठे सपने सजाकर जियो
हां!ये आसान नहीं
पर बीती बातें भुलाकर जियो
सहमी हुई आंखों को
सुकून मिले मुस्कराकर जियो
कुदरत के इस रंगमंच पर
खुद को बहलाकर जियो
ग़म के गहरे सागर में भी
हर मल मुस्कराकर जियो

पूजा जैसवाल
SYBA Hindi (English Medium)